नव वर्ष के अवसर पर प्रस्तुत क्रिस की झलक दिखलाती एक स्वरचित कविता

क्रिस में बीता हर दिन यादगार है,
यहां एक नहीं,हर इंसान मददगार है.

टीएमएस/आरएसएमएस/ई-दृष्टि/आआरपीएसएम जैसे प्रोजेक्ट हैं इतने सारे,
कि हम तो क्लाइंट्स की कॉल अटेंड कर कर के हारे.

चाहे हो गया हो रेलवे मेटीरियल चोरी, या फिर हो ट्रैक की गड़बड़ी,
और कुछ हो न हो, क्रिस में मच जाती है हड़बड़ी.
टाइमशीट ध्यान से भरनी है,
क्या किया है अबतक, रिव्यू मीटिंग भी तो करनी है.

क्रिस में आकर एक चीज़ को जाना है,
आउटस्टैंडिंग मांगना नहीं, मेहनत से पाना है.

Artificial intelligence and robotics are of prime importance,
Work on innovative ideas, that make more sense.
सारे ऐप्लीकेशन्स को क्लाउड पे कर दो राउट,
Ask maishi sir, if you have any doubt.
Many accolades have already won,
And the source of inspiration is only one.....Sir we are grateful to you.

तो दोस्तों कुछ पाने के लिए मेहनत भी कड़ी होनी चाहिए,
क्योंकि बाबू मोशाय ! जिंदगी लंबी नहीं , बड़ी होनी चाहिए.

अंशु सचदेवा
परियोजना इंजीनियर
ओएईडब्ल्यू